(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) : (क) म भूमि विकास कार्यक्रम नामक एक नई योजना मरु क्षेत्रों के विकास के लिए 1977-78 के दौरान शुरू की गई है।

(ख) और (ग) . भारत सरकार न यू० एन० ई० पी० / यू० एन० डी० पी० के अनुरोध पर दक्षिण-पश्चिमी एशिया के शुष्क तथा अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण प्रक्रिया तथा सम्बन्धित 'प्राकृतिक' संसाधन' के प्रबोधन पर, पार-राष्ट्रीय परियोजना में भाग लेने के लिए एक प्रस्ताव अनुमोदित किया है। अन्य देश अफगानिस्तान, ईरान तथा पाकिस्तान के परियोजना क्षेत्रों में भाग ले रहे हैं। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग जो परियोजना के लिए नोडल विभाग है, ने कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग से केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में शुरू की जा रही परियोजना के अन्तर्गत अध्ययनों के लिए पहुंच की है। तदनुसार, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में अध्ययन शुरू किए गए हैं। भारत में इस संस्थान : अब उपलब्ध तकनीकी जानकारी अन्य मरु देशों के विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को शुरू करने का प्रस्ताव है।

महाराष्ट्र में सिंचाई-क्षमता

41. **श्री हरी शंकर महाले** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में सिंचाई-क्षमता का कोई अनुमान लगाया है;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ;

(ग) राज्य में सिंचित भूमि की प्रतिशतता क्या है; और

(घ) अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता को पूरा करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) : (क) से (ग): महाराष्ट्र सरकार ने अनुमान लगाया है कि राज्य को अन्ततः सिंचाई क्षमता लगभग 70.61 लाख हैक्टेयर है; 52.61 लाख हैक्टेयर भूतल जल संसाधनों से और 18.0 लाख हैक्टेयर कुओं से। महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया है कि 1975-76 में राज्य में सभी साधनों से सिंचित क्षेत्र 21.71 लाख हैक्टेयर था। यह फसल-क्षेत्र के लगभग 11 प्रतिशत के बराबर है।

(घ) सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने की प्राथमिकता दी जाती है। सिंचाई के लिए राज्य-योजना में काफी परिव्यय की व्यवस्था भी की जाती है।

फालतू भूमि का अनुमान और उसका वितरण

42. **श्री युवराज** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या योजना आयोग ने यह टिप्पणी की है कि भूमि रिकार्ड के आधार पर फालतू भूमि का जो अनुमान लगाया गया है वह बहुत कम है;

(ख) क्या सरकारी आंकड़ों के अनुसार 53 लाख 20 हजार एकड़ फालतू भूमि में से 21 लाख एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था और उस में से 12 लाख 90 हजार एकड़ भूमि का वितरण किया गया था;

(ग) क्या जनता सरकार ने अपने शासन के पहले तीन महीनों में 6341 एकड़